सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र:2025-26

कक्षा:-7	विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक	पाठ:12 भारत की अग्नि-पुत्री

मौखिक कौशल

1. टेस्सी थॉमस को 'अग्नि पुत्री' तथा 'मिसाइल वुमन' नामों से जाना जाता है।

2. टेस्सी थॉमस को 'लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

3. टेस्सी थॉमस सन् 1988 में 'अग्नि परियोजना' से जुड़ी थीं।

4. टेस्सी थॉमस डी०आर० डी०ओ० हैदराबाद में कार्यरत हैं।

लिखित कौशल

1. (क) नारियों के संबंध में अब यह सोच नहीं रही कि नारियाँ घर की चारदीवारी के अंदर के कामों को ही कुशलतापूर्वक कर सकती हैं।

(ख) बचपन में एक दिन टेस्सी थॉमस को स्कूल तो बच्चों के साथ तिरुवनंतपुरम स्थित थुंबा रॉकेट स्टेशन दिखाने ले जाया गया था। वह दिन उनके लिए अविस्मरणीय दिन था जब उन्होंने वैज्ञानिक बनने का सपना देखा था।

(ग) टेस्सी थॉमस ने गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिचूर से बी.टेक, और इंस्टीट्यूट ऑफ़ आर्मामेंट टेक्नोलॉजी, पुणे से एम०टेक० की पढ़ाई पूरी की।

(घ) टेस्सी थॉमस के अनुसार, जब उन्हें 'अग्नि-4' की टीम का प्रमुख चुना गया तब उनके वैज्ञानिक जीवन में महत्त्वपूर्ण मोड़ आया। 'अग्नि-4' की सफलता के बाद 'अग्नि' की टीम में भी उन्हें परियोजना निदेशक का भार सौंपा गया।

(ङ) टेस्सी थॉमस ने अपने पिता के बारे में बताया कि जब वह आठवीं कक्षा में थी, वे लकवाग्रस्त हो गए थे। इस कारण उनका शेष जीवन बिस्तर पर ही बीता। सन् 1991 में उनका देहांत हो गया।

वह उन्हें बराबर याद करती हैं क्योंकि जब उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई का निर्णय लिया तो सबसे पहले उन्होंने ही उनके इस निर्णय को सराहा था। इससे उन्हें बहुत आत्मबल मिला।

(च) युवा महिलाओं के लिए टेस्सी थॉमस ने संदेश दिया है कि उनके लिए जरूरी है कि उनके अंदर सीखने की इच्छा हो और चुनौतियों को स्वीकार करने का साहस हो। तभी वे जीवन में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

2.क) तेजस (ख) 2012 (ग) वेपन (घ) सराहा (ङ) नौसेना

मूल्यपरक प्रश्न

1. टेस्सी थॉमस के जीवन से हम प्रेरणा ले सकते हैं कि हमें दृढ़ -संकल्पित होना चाहिए। हमारे अंदर कुछ नया सीखने की ललक कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। हमें अपना काम परिश्रम एवं लगन से करना चाहिए।

2. इस कथन से टेस्सी थॉमस के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे अपनी माँ से बहुत प्रेम करती थीं। टेस्सी की सफलता के पीछे उनकी माँ का अदृश्य योगदान छिपा हुआ है जिसे वे कभी भुला नहीं सकतीं।